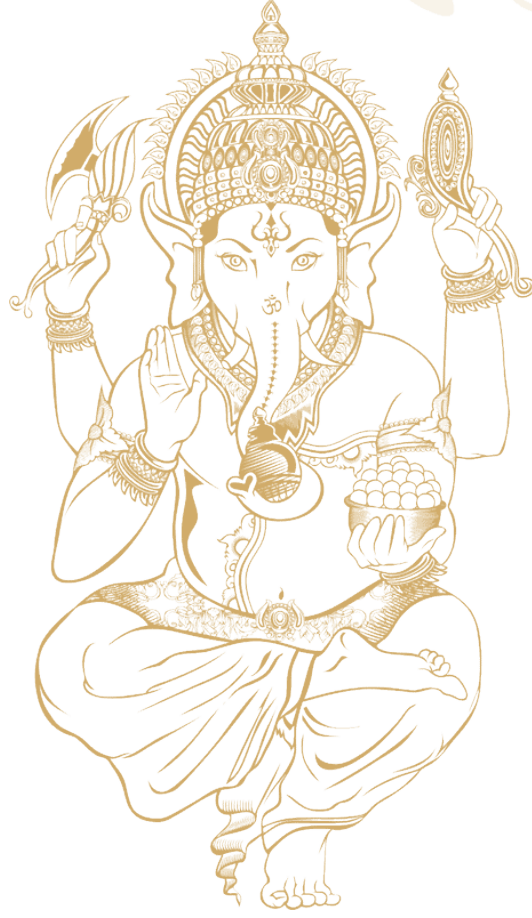




Mr. Jitendra Kumar

15 Nov 1988

12:00 PM

Jamnagar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119230503

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 15/11/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : 15/11/2025
 मंगलवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 12:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 23:42:37 घंटे
 घटी 12:23:47 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 41:40:17 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jamnagar : _____ स्थान _____ : Jamnagar
 उत्तर 22:28:00 : _____ अक्षांश _____ : 22:28:00 उत्तर
 पूर्व 70:06:00 : _____ रेखांश _____ : 70:06:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:49:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:49:36 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:02:29 : _____ सूर्योदय _____ : 07:02:30
 18:05:59 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:05:59
 23:42:10 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:10
 मकर : _____ लग्न _____ : कर्क
 शनि : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : चन्द्र
 मकर : _____ राशि _____ : कन्या
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 उत्तराषाढा : _____ नक्षत्र _____ : हस्त
 सूर्य : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
 4 : _____ चरण _____ : 1
 गण्ड : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 तैतिल : _____ करण _____ : बालव
 जी-जीवन : _____ जन्म नामाक्षर _____ : पू-पूजा
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 जलचर : _____ वश्य _____ : मानव
 नकुल : _____ योनि _____ : महिष
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 सिंह : _____ वर्ग _____ : मूषक
 37 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 38



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढा	4	07:38:07	मक			लग्न			कर्क	18:51:56	1	आश्लेषा
विशाखा	3	29:24:57	तुला			सूर्य			तुला	29:24:57	3	विशाखा
उत्तराषाढा	4	08:31:05	मक			चंद्र			कन्या	10:04:09	1	हस्त
उ०भाद्रपद	2	08:12:56	मीन			मंगल			अ वृश्चि	13:52:38	4	अनुराधा
विशाखा	1	20:06:28	तुला		अ	बुध		व	अ वृश्चि	09:46:23	2	अनुराधा
कृतिका	4	08:24:31	वृष		व	गुरु		व	कर्क	00:54:20	4	पुनर्वसु
चित्रा	1	26:06:21	कन्या			शुक्र			तुला	16:49:50	4	स्वाति
मूल	2	06:35:15	धनु			शनि		व	मीन	01:04:31	4	पू०भाद्रपद
शतभिषा	4	17:18:22	कुंभ		व	राहु		व	कुंभ	21:54:04	1	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	2	17:18:22	सिंह		व	केतु		व	सिंह	21:54:04	3	पू०फाल्गुनी
मूल	2	05:20:29	धनु			मु			कुंभ	07:38:07	1	शतभिषा

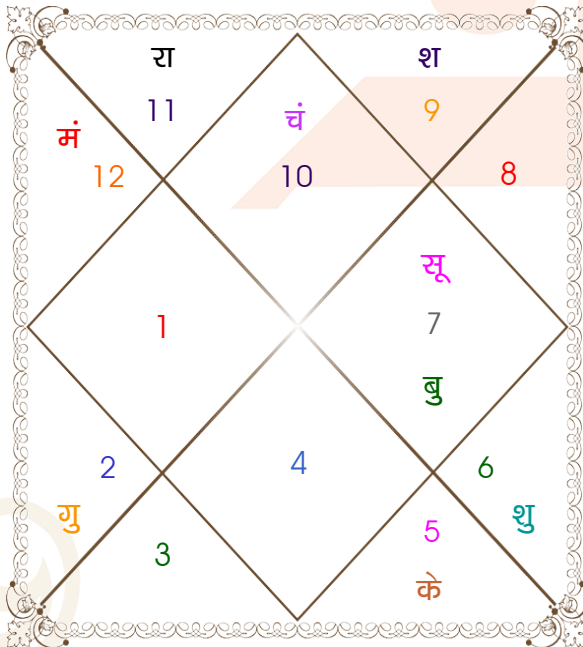
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

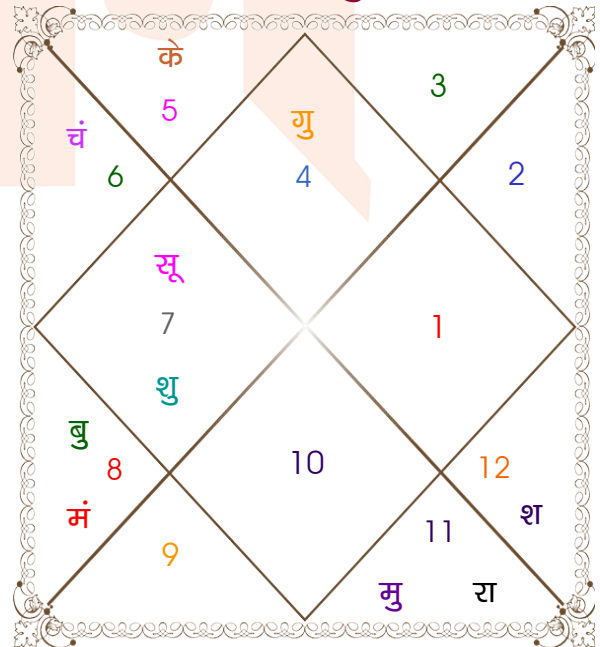
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - गुरु - शुक्र	गुरु - गुरु - सूर्य	गुरु - गुरु - चंद्र	गुरु - गुरु - मंगल
03/08/2025 22:25	11/12/2025 19:13	19/01/2026 18:16	25/03/2026 16:40
11/12/2025 19:13	19/01/2026 18:16	25/03/2026 16:40	10/05/2026 03:32
शुक्र 25/08/2025 13:53	सूर्य 13/12/2025 17:58	चंद्र 25/01/2026 04:08	मंगल 28/03/2026 08:18
सूर्य 01/09/2025 01:44	चंद्र 16/12/2025 23:53	मंगल 28/01/2026 23:02	राहु 04/04/2026 03:56
चंद्र 11/09/2025 21:28	मंगल 19/12/2025 06:26	राहु 07/02/2026 16:48	गुरु 10/04/2026 05:23
मंगल 19/09/2025 11:16	राहु 25/12/2025 02:41	गुरु 16/02/2026 08:35	शनि 17/04/2026 10:06
राहु 08/10/2025 22:48	गुरु 30/12/2025 07:22	शनि 26/02/2026 15:20	बुध 23/04/2026 20:38
गुरु 26/10/2025 06:22	शनि 05/01/2026 11:25	बुध 07/03/2026 20:06	केतु 26/04/2026 12:16
शनि 15/11/2025 19:52	बुध 10/01/2026 23:52	केतु 11/03/2026 15:00	शुक्र 04/05/2026 02:05
बुध 04/12/2025 05:24	केतु 13/01/2026 06:25	शुक्र 22/03/2026 10:44	सूर्य 06/05/2026 08:38
केतु 11/12/2025 19:13	शुक्र 19/01/2026 18:16	सूर्य 25/03/2026 16:40	चंद्र 10/05/2026 03:32
गुरु - गुरु - राहु	गुरु - शनि - शनि	गुरु - शनि - बुध	गुरु - शनि - केतु
10/05/2026 03:32	04/09/2026 00:40	28/01/2027 12:48	08/06/2027 14:49
04/09/2026 00:40	28/01/2027 12:48	08/06/2027 14:49	01/08/2027 14:14
राहु 27/05/2026 16:18	शनि 27/09/2026 05:23	बुध 16/02/2027 02:29	केतु 11/06/2027 18:23
गुरु 12/06/2026 06:19	बुध 17/10/2026 23:30	केतु 23/02/2027 18:00	शुक्र 20/06/2027 18:17
शनि 30/06/2026 18:28	केतु 26/10/2026 12:37	शुक्र 17/03/2027 14:20	सूर्य 23/06/2027 11:04
बुध 17/07/2026 07:52	शुक्र 19/11/2026 22:38	सूर्य 24/03/2027 03:38	चंद्र 27/06/2027 23:01
केतु 24/07/2026 03:29	सूर्य 27/11/2026 06:26	चंद्र 04/04/2027 01:49	मंगल 01/07/2027 02:35
शुक्र 12/08/2026 15:01	चंद्र 09/12/2026 11:27	मंगल 11/04/2027 17:20	राहु 09/07/2027 04:53
सूर्य 18/08/2026 11:16	मंगल 18/12/2026 00:34	राहु 01/05/2027 09:14	गुरु 16/07/2027 09:37
चंद्र 28/08/2026 05:02	राहु 08/01/2027 23:59	गुरु 18/05/2027 20:42	शनि 24/07/2027 22:43
मंगल 04/09/2026 00:40	गुरु 28/01/2027 12:48	शनि 08/06/2027 14:49	बुध 01/08/2027 14:14
गुरु - शनि - शुक्र	गुरु - शनि - सूर्य	गुरु - शनि - चंद्र	गुरु - शनि - मंगल
01/08/2027 14:14	02/01/2028 19:26	18/02/2028 01:48	05/05/2028 04:24
02/01/2028 19:26	18/02/2028 01:48	05/05/2028 04:24	28/06/2028 03:49
शुक्र 27/08/2027 07:06	सूर्य 05/01/2028 02:57	चंद्र 24/02/2028 12:01	मंगल 08/05/2028 07:58
सूर्य 04/09/2027 00:10	चंद्र 08/01/2028 23:29	मंगल 28/02/2028 23:58	राहु 16/05/2028 10:17
चंद्र 16/09/2027 20:36	मंगल 11/01/2028 16:15	राहु 11/03/2028 13:33	गुरु 23/05/2028 15:00
मंगल 25/09/2027 20:30	राहु 18/01/2028 14:49	गुरु 21/03/2028 20:18	शनि 01/06/2028 04:07
राहु 18/10/2027 23:41	गुरु 24/01/2028 18:52	शनि 03/04/2028 01:19	बुध 08/06/2028 19:38
गुरु 08/11/2027 13:11	शनि 01/02/2028 02:40	बुध 13/04/2028 23:29	केतु 11/06/2028 23:12
शनि 02/12/2027 23:12	बुध 07/02/2028 15:58	केतु 18/04/2028 11:26	शुक्र 20/06/2028 23:06
बुध 24/12/2027 19:32	केतु 10/02/2028 08:44	शुक्र 01/05/2028 07:52	सूर्य 23/06/2028 15:52
केतु 02/01/2028 19:26	शुक्र 18/02/2028 01:48	सूर्य 05/05/2028 04:24	चंद्र 28/06/2028 03:49

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।

ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।

हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यों को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरुद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा। साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए। धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे। इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे। अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें। व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकदमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है। इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

